- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 बिहार के 26 IAS अफसरों को मिली प्रोन्नति, तीन को किया गया 'डिमोट'

03 राजसभा के सत्र में छितौनी-तमकुही रेल लाइन परियोजना पूरा करने की मांग की

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

पटना, गुरुवार, 07 दिसम्बर 2023 | www.bordernewsmirror.com | पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रुपए | वर्ष: 04, अंक: 296

नए भारत का सामवेद पुस्तक का विमोचन आज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संविधान से जुड़े उद्बोधन के संकलन "नए भारत का सामवेद" नामक पुस्तक का गुरुवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद लोकार्पण करेंगे। प्रभात प्रकाशन की ओर से इनका संकलन किया गया है। दिल्ली के इंदिरा गांधी कला केंद्र में होने वाले लोकार्पण कार्यक्रम में रामनाथ कोविंद के अलावा इंदिरा गांधी कला केंद्र के अध्यक्ष राम बहादुर राय और केंद्रीय विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी शामिल होंगी।

देश को बांटने की राजनीति कर रही कांग्रेस: भाजपा

केन्द्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कांग्रेस पर साधा निशाना

डीएमके के नेता सनातन धर्म और हिन्दू धर्म विरोधी: राजीव

बीएनएम@नई दिल्ली

केन्द्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उस पर देश को बांटने की राजनीति का आरोप लगाया। वह बुधवार को यहां भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

राजीव चंद्रशेखर ने कांग्रेस और आईएनडीआई गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि ये लोग भारत जोड़ने की नहीं बल्कि भारत को तोड़ने की राजनीति कर रहे हैं। ये वही कांग्रेस पार्टी और आईएनडीआई गठबंधन है, जिसने भारत जोड़ो यात्रा का खूब ढिंढोरा पीटा था। इनके गठबंधन के अहम घटक दल डीएमके के नेता सनातन धर्म और हिन्दू धर्म विरोधी है। डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन ने पहले सनातन धर्म को डेंगू और मलेरिया बताया तो डी राजा ने सनातन धर्म को एचआईवी बता दिया। अब डीएमके नेता सेंथिल संसद में हिन्दी हार्ट लैंड को गौमूत्र स्टेट बताया। कांग्रेस को इन बयानों पर अपना मत स्पष्ट करना चाहिए।

राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के एक 55 वर्षीय युवा, परिपक्व नेता जब छुट्टियों के लिए बाहर जाते हैं तो कहते हैं कि भारत का लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री बनने वाले रेवंत रेड्डी ने भी देश को बांटने वाली बयानबाजी की। कहने को तो राहुल गांधी भारत जोड़ने की बात करते हैं लेकिन वे और उनके नेता देश को धर्म, जाति और प्रदेश के आधार पर बांटने की राजनीति कर रहे हैं।

चुनाव जीते भाजपा के 10 सांसदों ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। हाल के चुनावों में विधानसभाओं के लिए निर्वाचित भाजपा के 12 सांसदों में से 10 ने बुधवार को संसद सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। दो और सांसद भी जल्द ही इस्तीफा दे सकते हैं। इस्तीफा देने वाले सांसदों में 9 लोकसभा से और एक राज्यसभा से हैं। इनमें केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और प्रहलाद पटेल शामिल हैं। मध्य प्रदेश से जीतने वाले नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद पटेल, राकेश सिंह, उदय प्रताप और रीति पाठक हैं। छत्तीसगढ़ में अरुण साव और गोमती साई ने जीत हासिल की है। राजस्थान से राज्यवर्धन राठौर, महंत बालकनाथ, दीया कुमारी और किरोड़ी लाल मीणा ने जीत दर्ज की है। किरोड़ी लाल मीणा राज्यसभा से सांसद हैं। केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह और सांसद महंत बालक नाथ ने अभी इस्तीफा नहीं दिया। वह जल्द ही इस्तीफा देंगे। उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी को हाल ही में संपन्न पांच राज्यों में तीन राज्यों मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ और राजस्थान में बहुमत प्राप्त हुआ था। पार्टी ने अभी इन राज्यों में सरकार गठन को लेकर किसी चेहरे को मुख्यमंत्री तय नहीं किया है।

मिशन दक्ष के लिए चुने गए 63 हजार बच्चे

विद्यालय खत्म होने के बाद 5-5 बच्चों को गोद लेकर पढ़ाएंगे शिक्षक

पटना। बिहार के सरकारी स्कूलों की शैक्षणिक गुणवत्ता को सुधारने के लिए मिशन दक्ष की शुरूआत की गई है। मिशन दक्ष प्रदेश के 71863 प्रारंभिक विद्यालयों में लागू है. इस मिशन के तहत विद्यालय की कक्षाएं समाप्त होने के बाद एक शिक्षक पांच कमजोर बच्चों को विशेष कक्षा दे रहे हैं. यह कक्षाएं 45 मिनट की चल रही है. पूरे प्रदेश के लगभग 4.5 लाख शिक्षक, 25 लाख के करीब छात्रों को मिशन दक्ष के तहत पढ़ा रहे हैं.पटना में 60 हजार बच्चे चिन्हितः पटना में मिशन दक्ष के तहत 63109 विद्यार्थियों को चिन्हित किया गया है. पटना के जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक पटना के 17000 शिक्षकों में दक्ष मिशन के लिए 12595 शिक्षक चिन्हित किए गए हैं. शिक्षा विभाग के नए आदेश के तहत एक शिक्षक को प्रतिदिन 6 कक्षाओं का संचालन करना अनिवार्य है.

कमजोर बच्चों पर विशेष फोकसः पटना जिले के कुल 3486 विद्यालयों में प्रारंभिक विद्यालयों की संख्या 3063 है. इन्हीं प्रारंभिक विद्यालयों में से कक्षा 3 से 8 के 63109 बच्चे मिशन दक्ष के तहत चिन्हित किए गए हैं. इसमें अधिक संख्या में कक्षा 3 से 5 के बच्चे हैं. अधिकारियों की मानें तो अभी दक्ष मिशन की शुरूआत है. आने वाले समय में इस मिशन से जुड़ने वाले बच्चों की संख्या और बढ़ सकती है. इन बच्चों को हिंदी और अंग्रेजी के अक्षरों को पहचानना और वाक्यों को शुद्धता से लिखना-पढ़ना सिखाया जा रहा है.

शिक्षकों को पढ़ाना अनिवार्यःबच्चों को गणित के अंकों को पहचानना और सामान्य स्तर के जोड़-घटाव, गुणा-भाग करना सिखाया जा रहा है. कुल मिलाकर मिशन दक्ष के तहत बच्चों को वास्तविक अक्षर में साक्षर बनाना है. जो शिक्षक प्रतिदिन 6 कक्षाओं को नहीं पढ़ाते हैं, उनके लिए मिशन दक्ष में पढ़ाना अनिवार्य है. वहीं जो शिक्षक अपने विद्यालय में 6 कक्षाओं को पढ़ाते हैं, उनके लिए यह अनिवार्य नहीं है।

लोकसभा में जम्मू–कश्मीर से जुड़े दो विधेयक पारित

नई दिल्ली। लोकसभा ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक-2023 और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक-2023 ध्वनिमत से पारित कर दिया। मंगलवार को विधेयक पर विचार हेतु चर्चा आरंभ हुई थी जो आज भी जारी रही। चर्चा का उत्तर देते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि विधेयक सालों से अधिकारों से वंचित विस्थापितों और सम्मान के लिए लड़ रहे वर्ग को अन्य पिछड़ा वर्ग के तहत आरक्षण देने के लिए लाया गया है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में जम्मू-कश्मीर से जुड़े दो विधेयकों पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 370 के चलते जम्मू-कश्मीर में 45 हजार लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। इस अनुच्छेद को नरेन्द्र मोदी सरकार ने 2019 में उखाड़ फेंका है। गृहमंत्री ने कहा कि वर्तमान विधेयकों का उद्देश्य सकारात्मक है और वह सभी से सर्वसम्मति से इसे पारित करने का अनुरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के दौर में राज्य से 46 हजार 631 परिवार विस्थापित हुए थे। इसके अलावा पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों के दौरान 41 हजार 844 परिवार विस्थापित हुए थे। विधेयक का उद्देश्य इन लोगों को सम्मान के साथ उनका अधिकार देना है।

गृहमंत्री ने इस दौरान 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद आए बदलावों का विस्तृत ब्योरा दिया।

प्रधानमंत्री उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को देहरादून में आयोजित दो दिवसीय उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 08 दिसंबर को देहरादून, उत्तराखंड का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री सुबह लगभग 10:30 बजे वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में आयोजित 'उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023' का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री जनसमूह को भी संबोधित करेंगे। 'उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023' उत्तराखंड को एक नए निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक कदम है।

अपराध | अपराधी 4 मिनट में ही रुपये लूटकर भाग गए

आरा में बैंक स्टाफ को बंधक बनाकर साढ़े 16 लाख की लूट

बीएनएम@आर

बिहार के आरा में नवादा थाना क्षेत्र के पकड़ी कतीरा मोड़ स्थित एक्सिस बैंक की शाखा में बुधवार की सुबह पांच हथियारबंद अपराधी लूटपाट की नीयत से घुस गए।

इसके बाद बैंक स्टाफ को बंधक बना कर 4 मिनट में साढ़े 16 लाख रुपये लूटकर आसानी से भाग निकले। लूटपाट के दौरान लुटेरों ने बैंक के मैनेजर से मारपीट भी की और 12 स्टाफ को बंदी बना कर सभी को कैंटीन में बंद कर दिया। इसके बाद साढ़े 16 लाख नकद लेकर भागने में सफल हो गए। भागने के दौरान लुटेरों ने बैंक का दरवाजा बाहर से लॉक भी कर दिया।

सीसीटीवी फुटेज सामने आया है- एसपी

वहीं, भोजपुर के एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि बैंक कर्मियों ने फोन पर पुलिस को इस घटना की सूचना दी। कर्मचारियों ने पुलिस को बताया कि लुटेरे बैंक के अंदर ही हैं।नसूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बैंक को चारों ओर घेर लिया।नपुलिस को लगा कि अपराधी अभी बैंक के अंदर ही हैं, तो अपराधियों को बाहर से ही सरेंडर करने के लिए कहा गया। बहुत देर तक कोई हलचल नहीं होने पर पुलिस बैंक में घुसी। अंदर जाकर पता चला कि लुटेरे बैंक में नहीं हैं। पुलिस ने बैंक कर्मियों को सकुशल बाहर निकाला। सीसीटीवी फुटेज सामने आया है कि अपराधी 4 मिनट में ही रुपये लूटकर भाग गए।

मौके पर एसपी सहित कई अधिकारी पहुंचे

बैंक में लुटेरों के घुसे होने की सूचना मिलने के बाद भोजपुर के एसपी, आरा के एएसपी के साथ भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंची। सभी को लगा कि लुटेरे बैंक में ही हैं, इससे इलाके में दहशत मच गई। पुलिस ने बैंक को चारों ओर से घेर लिया. एसपी से लेकर अन्य सभी पुलिस अफसर मौके पर पहुंच गए। पुलिस बाहर से आरोपियों को सरेंडर करने की अपील करती रही। करीब डेढ़ घंटे बाद पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी तो लुटेरे अंदर नहीं मिले। पुलिसकर्मियों ने बंधक बनाए गए बैंक कर्मियों को छुड़ाया।

बताया जा रहा है कि पहले बैंक में दो लुटेरे ग्राहक बनकर अकाउंट खुलवाने के नाम पर घुसे। उसके बाद उनके अन्य साथी अंदर आए। सभी का चेहरा सीसीटीवी में कैद हो गया है। लुटेरों में से एक ने ही मास्क पहन रखा था। चेहरा नहीं बंधे होने से शुरू में किसी को शक नहीं हुआ।

सभी पांचों लुटेरों की उम्र करीब 18 से 21 साल के आसपास रही होगी। पुलिस ने बैंक में हथियारबंद लूटेरों से मुठभेड़ की आशंका को देखते हुए बुलेट प्रूफ जैकेट भी मंगवा गए, लेकिन अपराधी पहले ही लूट की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए थे।

स्मैक, गांजा और नगद 6.40 लाख रूपये के साथ तीन सौदागर गिरफ्तार

बीएनएम@अररिया

नगर थाना पुलिस और डीआईयू की टीम ने इस्तमा टोला रहिका बस्ती में नशे के तीन सौदागरों को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया।गिरफ्तार सौदागरों के पास से पुलिस ने सौ ग्राम के करीब स्मैक,तीन किलो गांजा,नगद 6 लाख 40 हजार रूपये,दो मोबाइल और एक बंडल सिल्वर पेपर बरामद किया गया।

गिरफ्तार नशे के तीन सौदागरों में दो अररिया नगर थाना क्षेत्र और एक ताराबाड़ी थाना क्षेत्र का रहने वाला है।पुलिस और डीआईयू की टीम ने यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर को।अररिया एसपी अशोक कुमार सिंह ने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष

में प्रेस कांफ्रेंस कर यह जानकारी दी।

अररिया एसपी अशोक कुमार सिंह ने बताया कि नगर थानाध्यक्ष एवं डीआईयू प्रभारी को गुप्त सूचना मिली कि इस्तमा टोला अररिया स्थित रहिका बस्ती में अवैध सामग्री का खरीद-बिक्री होने वाला है। जिसमें अपराधी किस्म के लोग शामिल होंगे। सूचना पर संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए मो. जसीम एवं मो.नसीम के घर पर छापेमारी किया गया जिसमें तीन व्यक्ति को खदेड़कर पकड़ा गया।

जिसका तलाशी लेने पर मो. जसीम के पास से 99 ग्राम स्मैक एवं इनके घर के बैठकी के पास के चौकी पर से 3 किलो गांजा एवं 6 लाख 40 हजार 500 रूपया बरामद किया गया। पकड़ाये ताराबाडी थाना क्षेत्र के रविकान्त पासवान के पास से भी 3 पुड़िया स्मैक बरामद हुआ।एसपी ने बताया कि स्वीकारोक्ति बयान में नाम आये अन्य अभियुक्तों के विरूद्ध पुलिस छापेमारी कर रही है।मामले में अररिया नगर थाना कांड संख्या-1162/2023 धारा-21 (बी)/8/20(बी)(ii)(बी),एनडीपीएस एक्ट अंतर्गत दर्ज किया गया है।

गिरफ्तार आरोपितों में मो. जसीम पिता-मो० कासिम इस्तमा टोला रहिका बस्ती वार्ड नंबर-04 का रहने वाला है।जबकि दूसरा हबीबुर्रहमान पिता-अब्दुल कासिम लहना चतरा टोला वार्ड-13 का रहने वाला है।वहीं रविकान्त पासवान पिता शशिकान्त पासवान घुरघुरा साहसमल ताराबाड़ी थाना क्षेत्र का रहने वाला है।छापेमारी टीम में नगर थानाध्यक्ष निर्मल कुमार यादवेन्दु, डीआईयू शाखा प्रभारी कौशल कुमार, एसआई निरंजन कुमार, अंकुर कुमार, प्रियंका कुमारी, सिमरन समेत पुलिस बल मौजूद थे।

निषाद समाज को हक दिलाने वाले को ही मिलेगा वोट : मुकेश सहनी

पटना। निषाद आरक्षण संकल्प यात्रा के दौरान बेगूसराय के सिमरिया धाम पहुंचे वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने कहा है कि किसी भी समाज का उत्थान इसलिए हुआ है, क्योंकि उनके समाज के लोगों ने उसे सहयोग किया। डॉ. भीमराव आंबेडकर मजबूत हुए तो दलित का उत्थान किया। उन्होंने कहा कि लालू यादव और कर्पूरी ठाकुर मजबूत हुए, तो अपने-अपने समाज को मजबूत किया, लेकिन आप कब जागेंगे। कोई नेता को आगे बढ़ाने में उनके समाज के लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। सरकार में शामिल जो दल निषाद समाज को आरक्षण देगा। जो निषाद समाज के अधिकार और उसके हक के लिए बात करेगा उसी के साथ हमलोग गठबंधन करेंगे, उन्हें ही निषाद का वोट भी मिलेगा।

सब लोग साथ मिलकर काम करेंगे तभी सफलता मिलेगी : मुख्यमंत्री

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को डॉ. भीमराव अम्बेडकर के 67वीं महापरिनिर्वाण दिवस पर मीडिया से बातचीत में कहा कि आजकल में खबर छप रहा था कि हम नहीं जा रहे हैं लेकिन हम तो बात ही दिए थे कि और भी लोग रहेंगे हम भी रहेंगे। हम तो चाहते हैं की तेजी से लोग करें काम। हम तो बार-बार बोल रहे हैं कि हमको कुछ नहीं चाहिए। हम तो बस इतना बोल रहे हैं कि सब लोग एक साथ काम में लगिए। मेरे जाने की बात रही तो हमको सर्दी-खांसी, बुखार हो गया था। इसलिए कहीं जा नहीं रहे थे। बाकी हम तो शामिल होंगे ही।

नीतीश से जब यह सवाल किया गया कि देश की मांग है आप नेतृत्व करें तो इसके जब आपने उन्होंने कहा कि नहीं यह सब बेकार है। हमारी नहीं राय है। हम नहीं ई सब चाहते हैं। अब कोई जो बोलना चाहता है तो बोले। हम तो चाहते हैं कि सब लोग साथ आकार काम करें। इसके अलावा जब उनसे सवाल किया गया कि आईएनडीआईए गठबंधन में रीजनल पार्टी की क्या भूमिका होनी चाहिए तो नीतीश कुमार ने कहा कि इसको लेकर आपस में बैठक कर बातचीत की जानी चाहिए लेकिन अभी कुछ भी करना उचित नहीं ना होगा। मीटिंग होगा तो उसमें यह सब चीज कहीं जाएगी। मीटिंग के बाद सब चीज आपको बता भी दिया जाएगा। हम तो सबको कह रहे हैं की बहुत अच्छे ढंग से तेजी से काम कीजिए।

पांच राज्यों के चुनाव में कांग्रेस की तीन राज्य में हुई हार पर नीतीश कुमार ने कहा कि हर राज्य को अपना अधिकार है मतदान करने का। पिछले बार देखे नहीं कांग्रेस वाला कई जगह जीता था। इस बार भी मान लीजिए एक जगह तो जीत हुई है ना। कांग्रेस को भी कम वोट नहीं आया है।

22 हजार शिक्षकों को सेवामुक्त करने का आदेश

हाईकोर्ट ने बिहार प्राथमिक शिक्षक पद पर नियुक्त शिक्षकों के लिए दिया निर्णय

पटना। पटना हाईकोर्ट ने बुधवार को बिहार प्राथमिक शिक्षक पद पर पिछले दो वर्षों से नियुक्त बीएड डिग्री धारक नियोजित शिक्षकों (छठे चरण) को नौकरी से हटाने का फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट के इस फैसले से करीब 22 हजार शिक्षकों को सेवामुक्त होना पड़ सकता है जो पिछले करीब दो वर्ष से नियोजित शिक्षक के रूप में सेवाएं दे रहे थे।

वर्ष 2022 में छठे चरण में 42 हजार नियोजित शिक्षक बहाल हुए थे। इसमें एक से पांच वर्ग तक के लिए 22 हजार नियोजित शिक्षक बहाल हुए थे। इसके पहले दो दिसम्बर को हाईकोर्ट ने बीएड शिक्षकों के मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया गया है। अब कोर्ट के फैसले से 22 हजार प्राथमिक शिक्षकों पर गाज गिरी है।

पटना हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के आलोक में ये स्पष्ट किया है कि राज्य में प्राथमिक वर्गों (कक्षा एक से पांच) में बीएड डिग्रीधारक शिक्षक के रूप में नियुक्त नही होंगे। चीफ जस्टिस के वी चंद्रन व जस्टिस राजीव रॉय की खंडपीठ ने ललन कुमार व अन्य द्वारा बड़ी संख्या में दायर याचिकाओं पर सुनवाई की। कोर्ट ने ये स्पष्ट किया कि प्राथमिक कक्षाओं में डीएलएड डिग्री प्राप्त शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी।

कोर्ट ने कहा कि रिट याचिकाओं को इस निष्कर्ष के साथ स्वीकार किया जाता है कि 'एनसीटीई' द्वारा जारी दिनांक 28.06.2018 की अधिसूचना अब लागू नहीं है और बीएड उम्मीदवारों को प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जा सकता है।

कोर्ट ने कहा कि जो नियुक्तियां की गई हैं, उन पर नए सिरे से काम करना होगा और मूल के अनुरूप ही योग्य उम्मीदवारों को नियुक्त करना होगा। साथ ही कोर्ट ने कहा कि वर्ष 2010 की एनसीटीई की अधिसूचना को केवल उसी पद पर जारी रखा जा सकता है। जिस पद पर उन्हें नियुक्त किया गया है।

राज्य यह भी निर्णय लेगा कि क्या इस तरह के पुनर्कार्य पर रिक्त होने वाले पदों को प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र उम्मीदवारों से राज्य के पास उपलब्ध मेरिट सूची से भरा जाएगा। ऐसे में बीएड डिग्री धारक नियोजित शिक्षकों (छठे चरण) को कोर्ट के इस फैसले से बड़ा झटका है। 22 हजार प्राथमिक शिक्षकों को इस फैसले से अब नौकरी से हाथ धोना पड़ सकता है।

बिहार के 26 IAS अफसरों को मिली प्रोन्नत्ति, तीन को किया गया 'डिमोट'

बीएनएम@पटना

बिहार प्रशासनिक सेवा आईएएस में प्रोन्नत 26 अधिकारियों को अपर सचिव में प्रोन्नति दी गई है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से अधिसूचना जारी कर दी गई है। प्रोन्नत्ति वाली लिस्ट में कई जिलों के डीएम भी शामिल हैं। लखीसराय के जिलाधिकारी का भी प्रमोशन हुआ है। अब वे अपर सचिव होंगे। इसके अलावे बेगूसराय, शिवहर, नवादा के जिलाधिकारियों को भी अपर सचिव में प्रोन्नति दी गई है।

बिहार प्रशासनिक सेवा के तीन अफसरों को किया गया 'डिमोट'

बिहार प्रशासनिक सेवा के तीन अधिकारियों को पहले प्रोन्नति दी गई, फिर उसे वापस ले लिया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से यह अधिसूचना जारी की गई है। सरकार के आदेश में कहा गया है कि 17 अक्टूबर 2023 को इन तीनों अधिकारियों को उच्चतर पद का प्रभार दिया गया था। लेकिन इसके लिए ये लोग योग्य नहीं थे। जिस कारण उच्चतर पद का प्रभार वापस लिया गया है। जिन अधिकारियों को पहले प्रोन्नत किया गया और फिर उसे वापस लिया गया उसमें कंचन कपूर संयुक्त सचिव हैं। शिवकुमार पंडित और वीरेंद्र कुमार मूल कोटि के बिहार प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी हैं।

रोजगार मेला में 2334 युवाओं ने कराया निबंधन

बेगूसराय। दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के तहत जीविका बलिया द्वारा आज रोजगार-सह-मार्गदर्शन मेला का आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन डीएम रोशन कुशवाहा, डीडीसी सोमेश बहादुर माथुर, एसडीओ रोहित कुमार, जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक अविनाश कुमार एवं रोजगार प्रबंधक सुधीर कुमार सहित अन्य ने दीप प्रज्वलित कर किया। रोजगार मेला में टाटा मोटर्स, होप केयर, शिवशक्ति बायो टेक्नोलॉजी, सिक्युरिटी लिमिटेड, लार्सन एंड टर्बो, ग्रेयबिज, इंफोवेली, अरविंद मिल्स, नवभारत फर्टिलाइजर, वेलस्पून इंडिया, एलआईसी, आरसेटी, विजन इंडिया एवं डुलक्स पेंट सहित 15 कंपनी शामिल हुए। जहां कि 2334 युवाओं ने अपना निबंधन कराया। सीधी भर्ती में 241, डीडीयूजीकेवाय में 54, आरसेटी में 104 युवाओं को प्रशिक्षण के लिए चुना गया।

महिला सहित उसके दो बच्चों की गला दबाकर हत्या

परिजन घर छोड़ फरार

पति सहित करीब आधा दर्जन लोगों के विरुद्ध एफआईआर

अपराधी छवि का है आरोपित पति

इस तिहरे हत्याकांड में आरोपित पति अरविंद सनकी व अपराधी छवि का है। वह आशिक मिजाज का भी है। ग्रामीणों के अनुसार शादी के बाद पड़ोस के एक गाँव की लड़की से दूसरी शादी किया। जिस मामले में स्थानीय स्तर पर पंचायती कराकर मामले को रफादफा करा दिया गया था। बताया जाता है कि अरविंद करीब सात माह पहले एक मामले में जेल से रिहा हुआ था। शादी के समय वह गाँव में हीं किराना दुकान का संचालन करता था। इसके बाद सुन्दरापुर में एक सीएसपी केंद्र चलाने लगा।

बीएनएम@केसरिया। थाना क्षेत्र के बेनीपुर रामाज्ञा टोला गाँव में बुधवार को एक महिला व उसके दो बच्चों की गला दबाकर हत्या कर दी गई है। मृतिका उक्त गाँव के अरविंद कुमार की पत्नी रेणु देवी (25) व उसके दो पुत्र राजकपूर (6) व ऋषभ (2) बताये जाते हैं। सूचना पर डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह, पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, एसआई रामशरण साह दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुँचे।

जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घटना के बाद परिजन घर छोड़ फरार हैं। बताया जाता है कि रेणु व उसके पति अरविंद के बीच हाल के दिनों से हमेशा विवाद होता रहता था। बुधवार की सुबह भी विवाद हुआ। जिसकी सूचना रेणु ने अपने मायके वालों को दी। जिसकी सूचना पर मायके वाले बेनीपुर रामाज्ञा पहुँचे। जहाँ रेणु व उसके दो बच्चे का शव पलंग पर पाया। इसकी जानकारी पुलिस को दी गई।

डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि आरोपित अरविंद द्वारा पत्नी व दो बच्चों की हत्या करना प्रतीत होता है। अरविंद अपराधी छवि का है। वह कई मामलों में आरोपित है। हाल के दिनों में वह जेल से छूट कर आया है। घटना के बाद परिजन घर छोड़ फरार है। जिसकी गिरफ्तारी को लेकर कार्रवाई की जा रही है। इधर, मामले में मृतिका के पिता मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के सिहुलिया निवासी हरेंद्र राय ने अपने दामाद सहित करीब आधा दर्जन से अधिक लोगों को नामजद करते हुए प्राथमिकी दर्ज करायी है।

सूचक ने दर्ज प्राथमिकी में बताया है कि अपनी एकलौती पुत्री रेणु की शादी वर्ष 2018 में अरविंद से किया था। जिसमें उपहार के रूप में पाँच लाख रुपया, बाइक व अन्य समान दिया था। शादी के करीब चार साल बाद दामाद अरविंद द्वारा चार पहिया वाहन की माँग की जाने लगी। जिसे पूरा नहीं करने पर हत्याकांड को अंजाम दिया गया है। इस घटना में दामाद अरविंद, उसके पिता बालदेव राय, भाई प्रवीण कुमार सहित अन्य का हाथ है। इस हृदयविदारक घटना के बाद गाँव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। चारों तरफ इस घटना की चर्चा हो रही है। घटनास्थल पर शव देखने पहुँचे लोगों की आँखें नम हो जा रही थी।

राजसभा के सत्र में छितौनी-तमकुही रेल लाइन परियोजना पूरा करने की मांग की

इस परियोजना में 37.7 लाख घन मीटर मिट्टी के कार्य के साथ-साथ 10 बड़े पुल एवं 47 छोटे पुल का निर्माण किया जाना प्रस्तावित था।

बीएनएम@बगहा

पश्चिम चम्पारण के छितौनी-तमकुही रेल लाइन परियोजना के पूरा नहीं होने के विरुद्ध में राजसभा सदस्य सतीश चंद्र दूबे ने बुधवार को राज्य सभा सत्र के शून्यकाल में अपनी आवाज उठायी है। उन्होंने खेद प्रकट करते हुए रेल मंत्री से कहा है कि वर्ष 2007 में रेलवे बोर्ड द्वारा छितौनी-तमकुही रेल लाइन परियोजना स्वीकृति किया गया था। सांसद ने सभापति के माध्यम से माननीय रेल मंत्री से आग्रह किया की जल्द से जल्द इस परियोजना को पूरा किया जाय जिससे आम लोगो को लाभ मिल सके।

उन्होंने सदन को आगे बताया कि वर्ष 2007 मे तत्कालीन रेल मंत्री ने छितौनी तमकुही रेल लाइन का शिलान्यास किया था। पनियहवा से छितौनी होते हुए रेल लाइन नारायणी नदी के किनारे होते हुए बिहार प्रांत के मधुबनी, धनहा, खैरा टोला इत्यादि स्थानों

से होकर गुजरेगी तथा कुशीनगर के तमकुहीरोड रेलवे स्टेशन पर ये कप्तानगंज-थावे रेल लाइन में मिल जायेगी। इस परियोजना में 37.7 लाख घन मीटर मिट्टी के कार्य के साथ-साथ 10 बड़े पुल एवं 47 छोटे पुल का निर्माण किया जाना प्रस्तावित था। परियोजना में पनियहवा से 3.35 किमी पर छितौनी, 15.5 किमी पर जटहा, 28.7 किमी पर मधुबनी, 35 किमी पर धनहा, 38 किमी पर खैरा टोला व 49.7 किमी पर पिपराही स्टेशन व हाल्ट का निर्माण की रूपरेखा बनाने के साथ ही 62.5 किमी पर अंतिम तमकुहीरोड स्टेशन कल्ड को जंक्शन बनाया जाना प्रस्तावित था।

वर्ष 2014 से 2019 तब मै लोक सभा का सदस्य था अनेकों बार पत्राचार करने के बाद कुछ धन राशि भी स्वीकृत की गई और कुछ कार्य भी हुये पर अभी तक कुछ ठोस कार्य होते दिख नहीं रहा है अधिकारियों से वार्ता के बाद बताया गया की धन के आभाव मे कार्य पूरा नहीं हो पा रहा है।

यह रेल लाइन स्थायी तौर पर एक मजबूत बांध के रूप मे भी काम करती तथा यहा पर्यटन, रोजगार और व्यापार की आपार संभावनाएं बढ़ जाती जिससे समस्त जनता को बहुत ही लाभ होगा तथा आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को और बल मिलेगा। जनहित में उक्त अधूरे कार्य को सम्पन्न कराये जाने हेतु अतिरिक्त धनराशि मुहैया कराई जाय और संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया जाये की जल्द से जल्द इस कार्य को पूरा किया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

मनोविज्ञान प्रायोगिक परीक्षा की तिथि घोषित

मोतिहारी। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के निर्देशानुसार शहर के एलएनडी कॉलेज में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम सत्र 2023-27 के प्रथम सेमेस्टर के मनोविज्ञान विभाग के प्रायोगिक परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गई है। प्राचार्य प्रो.अरूण कुमार ने बताया कि मनोविज्ञान मेजर कोर्स व माईनर कोर्स की प्रायोगिक परीक्षाएं 7, 8 और 10 दिसंबर को ली जाएगी। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभाकर कुमार ने बताया कि मनोविज्ञान विषय से संबंधित सभी परिक्षार्थी विस्तृत सूचना के लिए संबंधित विभागाध्यक्ष से संपर्क स्थापित कर सकते हैं। प्रायोगिक परीक्षा में अनुपस्थित/अनुत्तीर्ण परीक्षार्थियों का परीक्षाफल लंबित हो सकता है। सभी परीक्षार्थी अपना प्रोविजनल एडमिट कार्ड अनिवार्य रूप से लेकर आएंगे।

एक्सिस बैंक में भर्ती हेतु जागरुकता अभियान

मोतिहारी। शहर के मुंशी सिंह महाविद्यालय के प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र में बुधवार को टाइम्स ऑफ इंडिया के क्षेत्रिय प्रबंधक ज्ञानेंद्र मुरारी और अमितेश कुमार की देख-रेख में स्नातक उत्तीर्ण छात्र/छात्राओं के लिए एक्सिस बैंक में भर्ती के लिए अभियान चलाया गया। इस अवसर पर प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र के समन्वयक प्रो.अमरजीत कुमार चौबे और महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.(डॉ.)अरुण कुमार भी उपस्थित रहे। छात्र/छात्राओं से भरे हुए प्रशाल में ज्ञानेंद्र मुरारी ने कहा कि किसी भी विषय से स्नातक डिग्री प्राप्त छात्र इसके लिए अर्ह हो सकते हैं।

समाचार भेजें
किसी भी प्रकार का समाचार, विचार एवं विज्ञापन देने के लिए
संपर्क करें- 9471060219
bordernewsmirror
@gmail.com

जिम जा रहे युवक को गोलियों से भूना

मोतिहारी

जिले में मुफस्सिल थाना क्षेत्र में बाइक सवार अज्ञात अपराधियों ने बुधवार की एक युवक को गोली मार कर हत्या कर दी।

घटना मोतिहारी शहर के जमला रोड स्थित चंडी माई स्थान के समीप की है। उक्त युवक बाइक से जीम जा रहा था, इस बीच अज्ञात अपराधी बैक टू बैक चार गोली शरीर में उतार दिया। इस घटना के बाद उसे गंभीर हालत में लोगों ने रहमानिया मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देख पटना रेफर कर दिया गया। लेकिन उसे नहीं बचाया जा सका, पटना ले जाने के दौरान ही उसकी मौत हो गई।

मृत युवक की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जमला निवासी चंदेश्वर सिंह के तीसरे पुत्र राहुल उर्फ छोटू (22) के रूप में हुई है। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि वह अपने बाइक से जीम जा रहा था, इस दौरान घात लगाए अपराधियों ने वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए।

गोली युवक के सीने और जांघ में गोली लगी थी। गोली की आवाज सुन कर आसपास के लोग पहुंचे, जहां लोगों की सूचना पर थाना पुलिस पहुंचकर मामले की छानबीन के बाद अपराधियों की खोज में जुट गई।

घटना के पीछे की वजह अब तक सामने नहीं आई है। मृतक युवक के परिजन फिलहाल कुछ भी बताने से इनकार कर रहे है। घटना के बाद मौके पर पहुंचे एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने निरीक्षण के उपरांत इस मामले के सफल उद्भेदन के लिए एएसपी राज के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया है, जाहिर है, पुलिस इस मामले का जल्द ही पटाक्षेप कर देगी।

धूमधाम से मनाया गया 68 वां महापरिनिर्वाण दिवस समारोह

मोतिहारी। राष्ट्रीय दलित मानवाधिकार बिहार के द्वारा बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की 68वा महापरिनिर्वाण दिवस समारोह धूम धाम से मनाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजू बैठा प्रदेश सचिव मुखिया संघ सह अध्यक्ष राष्ट्रीय दलित मानवाधिकार बिहार ने कहा की बाबा साहब काफी विकट परिस्थितियों में भी अडिग नहीं हुए और लाख कठिनाई के बाबजूद भी अपने समाज के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। आज बाबा साहब के द्वारा कही गई बाते सत्य ही रही है जो बाबा साहब ने 50 वर्ष पहले कहा था उसे सभी राजनीतिक दल आज कह रहे और उसकी दुहाई दे रहे है।

जिला जज ने बेतिया में प्रचार रथ को किया रवाना

बीएनएम@बेतिया

> सुदूर ग्रामीण क्षेत्र एवं शहरी क्षेत्र में जाकर लोगों को इस नेशनल लोक अदालत के प्रति जागरूक करेगा।

नेशनल लोक अदालत की सफलता के लिए जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पश्चिम चंपारण द्वारा सभी न्यायिक पदाधिकारी के साथ प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर बुधवार को रवाना किया गया ।

इस मौके पर जिला जज त्रिलोकी दुबे ने बताया कि यह प्रचार रथ सुदूर ग्रामीण क्षेत्र एवं शहरी क्षेत्र में जाकर लोगों को इस नेशनल लोक अदालत के प्रति जागरूक करेगा। ताकि आम जनमानस नेशनल लोक अदालत के प्रति जागरूक हो तथा अधिक से अधिक वाद का निष्पादन किया जा सके।

अधिकार के सचिव अमरेंद्र कुमार राज ने बताया कि इस नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के सुलह के लिए अधिक से अधिक पक्षकारों को नोटिस निर्गत किया गया है तथा पक्षकारों के साथ सभी न्यायिक पदाधिकारी गण प्रतिदिन प्रीसिटिंग कर रहे हैं ताकि अधिक से अधिक वादों को सुलह किया जा सके। इसके लिए व्यवहार न्यायालय बेतिया में कुल 23 बेंच का गठन किया गया है तथा व्यवहार न्यायालय बगहा में कुल 10 बेंच का गठन किया गया है। इस अवसर पर सभी न्यायिक पदाधिकारी गण समेत जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

गांजा तस्करी मामले में एक को मिली दस वर्षों का कठोर कारावास

मोतिहारी। प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार ने गांजा तस्करी मामले में नामजद एक अभियुक्त को बुधवार दस वर्षों का कठोर कारावास व एक लाख रुपये अर्थ दंड की सजा सुनायी। अर्थ दंड नहीं देने पर छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी।

सजा कल्याणपुर थाना के गोविंदपुर निवासी मनोहर दास का पुत्र मुकेश कुमार दास को हुई। मामले में कल्याणपुर थाना के तत्कालीन थानाध्यक्ष संजय स्वरूप ने कल्याणपुर थाना कांड संख्या-27/2017 दर्ज कराते हुए ट्रक चालक मुकेश कुमार दास व खलासी नितेश कुमार को आरोपित करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराया था। जिसमें कहा था कि 4 मार्च 2017 को गुप्त सूचना मिली कि पिपराकोठी की ओर से कल्याणपुर के तरफ एक ट्रक जा रहा है। जिस पर गांजा लदा है।

सूचना के आलोक में पुलिस बल के साथ बंगरी मोड़ के पास पहुंचे तो एक ट्रक आता दिखाई दिया। ट्रक को रुकने के इशारे करने पर चालक ट्रक लेकर भगाने लगा। परंतु पुलिस बल ने कुछ दूरी पर ही पकड़ लिया।

जांच के दौरान ट्रक के केबिन में सात पैकेट में रखा 49 किलो गांजा बरामद किया गया। एनडीपी स वाद संख्या 22/2017 विचारण के दौरान विशेष लोक अभियोजक डॉ शंभू शरण सिंह ने सात गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अभियोजन पक्ष रखा। न्यायाधीश ने धारा 20(बी),11(सी) एन डी पी एस एक्ट में दोषी पाते हुए उक्त सजा सुनाए है।

राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े लोगों को अंग वस्त्र, शॉल एवं पगड़ी पहनाकर किया गया सम्मानित

बीएनएम@मोतिहारी

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अखिलेश कुमार सिंह द्वारा संघ एवं भाजपा के पुराने नेता स्वर्गीय काशी जयसवाल जी के आवास पर 1990 एवं 92 में राम जन्मभूमि कार सेवा में गए कारसेवकों एवं राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े हुए प्रमुख लोगों को अंग वस्त्र, शॉल एवं पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख व्यवसाई चिंपू जायसवाल के नेतृत्व में प्रभु प्रसाद ,सुमित कुमार,मनीष कुमार,टुनटुन केसरी, आदि ने कारसेवकों का सम्मान किया।

इस अवसर पर श्री राम जन्मभूमि आंदोलन में भाग लेने वाले और कार सेवा में अयोध्या जाने वाले गणेश प्रसाद, विनोद शर्मा, ओमप्रकाश केसरी, सुबोध कुमार,अशोक कुमार श्रीवास्तव, राजेश गुप्ता, राजकुमार केडिया, राधेश्याम प्रसाद ,रघुनाथ प्रसाद,

संजय पटेल, पुकुल कुमार ,बच्चा कनौजिया, को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर श्री अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हम सभी श्री रामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर बनते देख रहे है यह तभी संभव हुआ है जब इस देश की जनता ने नरेंद्र मोदी जैसे दृढ़ इच्छा शक्ति वाले नेता को प्रधानमंत्री बनाया है।मोदी जी के नेतृत्व में भारत गुलामी के सभी प्रतीकों को समाप्त कर रहा है और राष्ट्र का पुनः सांस्कृतिक अभ्युदय हो रहा है।

मोदी जी के नेतृत्व में भारत अब अपने पुराने गौरव को प्राप्त करने में सक्षम हो रहा है।22 जनवरी को भव्य श्री राम मंदिर के उद्घाटन के बाद अयोध्या विश्व का सबसे बड़ा सांस्कृतिक केंद्र बनकर उभरेगा।

भाजपा नेता राजा ठाकुर ने कहा कि जो लोग आज लगातार भारतीय संस्कृति, हिंदुत्व और नरेंद्र मोदी को अपशब्द बोल रहे हैं उन्हीं लोगों ने भगवान राम के स्तित्व को न्यायालय में नकारा था। उन्हें जनता लगातार सबक सिखा रही है।

Thursday 07 December 2023

Editorial

पुराने पैतरों पर फिर क्यों लौट रहा पाकिस्तान

संघर्ष विराम के आए दिन उल्लंघन के बीच पाकिस्तान फिर पुराने पैतरों पर आ गया है। 2021 के बाद जम्मू-कश्मीर में बढ़ी आतंकियों की सक्रियता इसका स्पष्ट संकेत है। इस साल भी सर्दी शुरु होते ही आतंकियों के हमले तेज हो गए हैं। बीते पांच दिन में पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकियों के साथ सुरक्षाबलों की तीन बड़ी मुठभेड़ जाहिर करती हैं कि सीमा पार से घुसपैठ कराने की साजिश बड़े स्तर पर की जा रही है। साथ ही पाकिस्तान अपनी आर्थिक बदहाली से ध्यान हटाने के लिए भी परिवर्तन के दौर से गुजर रहे केंद्रशासित प्रदेश में माहौल सामान्य न होने का संदेश भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देना चाहता है। राजोरी में 28 घंटे से अधिक चली मुठभेड़ में सेना के दो कैप्टन समेत पांच सैन्यकर्मियों का सर्वोच्च बलिदान बताता है कि तीन बार प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ के पिछले महीने पाकिस्तान लौटने के बाद वहां की सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई अपने प्यादे को गद्दीनशीं करने के लिए आतंकियों को नए सिरे से खाद-पानी देने लगी है। फरवरी 2024 में वहां संसदीय आम चुनाव होना है और नवाज को चौथी बार प्रधानमंत्री बनाने की योजना है। अपने मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए पस्त पाकिस्तान का अपने आंतरिक हालात से ध्यान हटाना पहली प्राथमिकता है। पड़ोस में घुसपैठ और जनहानि के बूते अपने अवाम को प्रलोभन देना भी इसी का हिस्सा है। हालांकि राजोरी की मुठभेड़ में पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकीकारी समेत दो आतंकियों को मार कर सेना ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने पराक्रम का परिचय दिया है। कारी ने पहली जनवरी को जिले के ढांगरी गांव में बच्चों समेत सात हिंदुओं की हत्या कर समूचे तंत्र को दहला दिया था। राजोरी में जिस तरह सेना पर हमला किया गया है, 13 सितंबर को अनंतनाग में भी यही तरीका अपनाया गया था। गौरतलब है कि राजोरी में अक्तूबर 2021 में भी नौ सैन्यकर्मियों ने आतंकियों से जूझते हुए शहादत दी थी।

काश, 'हलाल' पर सभी मुख्यमंत्री 'योगी आदित्यनाथ' हो जाएं !

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

उत्तर प्रदेश के अभी हाल ही में एक खबर आई और देखते ही देखते देश के 80 प्रतिशत लोगों के चेहरे खिल उठे। भारत का बहुसंख्यक हिन्दू समाज लम्बे समय से यह मांग प्रशासन से कर रहा है कि आखिर देश में मुसलमानों की संख्या सिर्फ 15 प्रतिशत है तो बाकी की 85 फीसदी जनसंख्या को 'हलाल' के नाम पर सामान खरीदने के लिए क्यों मजबूर किया जा रहा है? यहां मांसाहार में 'हलाल' का होना उनकी मजहबी मान्यताओं के अनुसार समझ में आता है किंतु किसी भी कंपनी, संस्था या छोटे दुकानदार, वस्तु निर्माता को इसके लिए मजबूर नहीं किया जा सकता कि यदि उसने 'हलाल' सर्टिफिकेट नहीं लिया है तो उसके सामान को बाजार के चलन में नहीं आने दिया जाएगा। भला, यह कैसी मनमर्जी है ? वास्तव में 'हलाल' प्रमाणपत्र के नाम पर ऐसा करनेवालों ने उन तमाम नियमों को भी एक झटके में ताक में रख दिया है, जो भारत सरकार एवं राज्य सरकारों ने फूड प्रोसेसिंग, नागरिक खाद् सुरक्षा के लिए अनिवार्य किए हैं। इसलिए ही आज इस गोरख धंधे को तुरन्त बंद कर देने की अवाज उठाई जा रही है । यह पूरा खेल हर कंपनी में 'हलाल' सर्टिफिकेट की आड़ में जबरन मुसलमानों को रोजगार दिलाने और एक अवैध समानान्तर अर्थव्यवस्था खड़ी कर लेने का है। जिससे कि आतंकवाद को पोषित करने का संदेह भी सामने आता रहा है। यह बेवजह नहीं है, इसके पीछे भी ठोस प्रमाण मौजूद हैं। मुंबई में हुए 26/11 के हमले के लिए अमेरिका के 'हलाल' प्रमाणित एक बूचड़ खाने से पैदा इकट्ठा किया गया था। इसका खुलासा तब हुआ जब इस आतंकी हमले की जांच के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकयों डेविड हेडली (दाऊद गिलानी) और तहव्वुर राणा को गिरफ्तार किया गया। भारत में आतंकवादियों को कानूनी सहायता मुहैया कराने में 'हलाल' सर्टिफिकेट से होनेवाली आय का उपयोग कैसे किया जा रहा है, इसका यह प्रमाण देखिए, जमीयत उलेमा ए-हिंद हलाल ट्रस्ट दिल्ली कई केसों में आतंकवादियों को जेल से छुड़ाने के लिए ...न कर रहा है। जर्मन बेकरी ब्लास्ट केस (मिर्जा हिमायत बेग बनाम महाराष्ट्र सरकार) - फरवरी 2010 में पुणे के जर्मन बेकरी ब्लास्ट में 17 लोगों की हत्या और 64 लोग घायल हुए थे। इस आतंकी हमले का दोषी इंडियन मुजाहिद्दीन का आतंकी मिर्जा हिमायत बेग था। पुणे की सेशन कोर्ट के स्पेशल जज एन. पी. धोते ने 18 अप्रैल, 2013 को बेग को फांसी की सजा सुनाई थी। इसे कानूनी सपोर्ट यही जमीयत उलेमा ए-हिंद हलाल ट्रस्ट मुहैया कराती रही है। यह एक दूसरा केस है, (अब्दुल रहमान बनाम कर्नाटक सरकार), अब्दुल रहमान ने रावलपिंडी में लश्कर-ए-तोइबा के आतंकी कैंप में प्रशिक्षण लिया था। साल 2004 में वह अवैध तरीके से मुंबई आया और मस्जिदों में मुसलमानों को जिहाद के नाम पर भारत के खिलाफ लड़ने के लिए उकसाता था। इसी तरह से पलारीवत्तम आईएसआईएस केस (अर्शी कुरेशी एवं अन्य बनाम केरल सरकार) यह केस फिलहाल एनआईए के अधीन है। इसके अंतर्गत केरल के रहने वाले बेस्टिन विन्सेंट ने इस्लाम धर्म अपनाकर अपना नया नाम याह्या रख लिया था। याह्या साल 2017 में आईएसआईएस में शामिल होने के लिए अफगानिस्तान भाग गया था।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

Today's Opinion

क्यों भारत चाहता है बांग्लादेश में शेख हसीना की वापसी

आर.के. सिन्हा

पड़ोसी देश बांग्लादेश में 12वां संसदीय चुनाव 7 जनवरी, 2024 को होगा और जाहिर तौर पर भारत की इन चुनावों पर करीबी नजर रहने वाली है। बांग्लादेश में नई संसद के चुनाव की घोषणा के साथ ही स्वाभाविक रुप से राजनीतिक तनाव और उपद्रव भी शुरु हो गए हैं। प्रमुख विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी ने मांग की है कि चुनाव एक गैर-पार्टी अंतरिम सरकार की निगरानी में हों। इसके नेता और कार्यकर्ता प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के इस्तीफे की मांग करते हुए सड़कों पर उतर आए हैं। शेख हसीना की सत्तारुढ़ अवामी लीग ने विपक्ष की मांग को खारिज कर दिया है और कहा है कि चुनाव शेख हसीना के नेतृत्व में ही होंगे। इस बीच, भारत की तो चाहत होगी कि अगले चुनाव में भी अवामी पार्टी को सफलता मिले। इसमें कोई शक नहीं है कि शेख हसीना भारत के प्रति कृतज्ञता का भाव रखती हैं और भारत भी उन्हें हर संभव सहयोग देता रहता है। शेख हसीना और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंध मजबूत हो रहे हैं, जो ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों और आपसी विश्वास और समझ पर आधारित है। भारत ने शेख हसीना को विगत सितंबर के महीने में नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में मित्र देश के रूप में आमंत्रित किया था। हालांकि बांग्लादेश जी-20 का सदस्य देश तो नहीं है, पर भारत ने बांग्लादेश को मेजबान तथा जी-20 के अध्यक्ष के रुप में आमंत्रित करके साफ संकेत दे दिया था कि वह पड़ोसी मित्र देश को बहुत अहमियत देता है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने हमेशा इस तथ्य को माना है कि भारत ने बांग्लादेश की आजादी में महत्वपूर्ण रोल निभाया था। शेख हसीना के लिए भारत की राजधानी नई दिल्ली तो अपने दूसरे घर की तरह की है। उन्होंने यहां सन 1975 से 1981 के दौरान निर्वासित जीवन गुजारा था। तब उनके साथ उनके पति डॉ.एम.ए.वाजेद मियां और उनके दोनों बच्चे भी थे। दरअसल शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक बंग बंधु शेख मुजीब-उर-रहमान, मां और तीन भाइयों का 15 अगस्त, 1975 को कत्ल कर दिया गया था ढाका में। उस भयावह कत्लेआम के समय शेख हसीना अपने पति और बच्चों के साथ जर्मनी में थीं। इसलिए उन सबकी जान बच गई थीं। शेख हसीना के परिवार के कत्लेआम ने उन्हें बुरी तरह से झंझोड़ कर रख दिया था। वे टूट चुकी थी। तब भारत ने उन्हें राजनीतिक शरण दी थी। बेशक, शेख हसीना के जीवन में दिल्ली का बहुत महत्व रहा है। यहां पर उनके पिता शेख मुजीब-उर-रहमान के नाम पर एक सड़क भी है। शेख मुजीब उर रहमान बांग्लादेश के मुक्ति आंदोलन में केंद्रीय शख्सियत रहे थे। वे 10 जनवरी 1972 को दिल्ली आए थे। तब उनका पालम हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत हुआ था। उस दिन राजधानी में कड़ाके की सर्दी पड़ रही थीं। उन्होंने बांग्लादेश के मुक्ति आंदोलन में भारत के सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया था। उनका हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनकी सारी कैबिनेट ने स्वागत किया था। हवाई अड्डे पर दोनों देशों के राष्ट्रगान हुए। पालम हवाई अड्डे से लेकर राष्ट्रपति भवन तक के मार्ग पर हजारों दिल्ली वाले उनका हाथ हिलाकर अभिवादन कर रहे थे। उन्होंने कोलकाता के मौलाना आजाद कॉलेज से कानून की पढ़ाई की थी और वहां पर ही वे छात्र राजनीति में शामिल हुए थे। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत-बांग्लादेश संबंध वर्तमान समय में ठीक दिशा में बढ़ रहे हैं। सन 1947 में धर्म के नाम पर पाकिस्तान बना और 1972 में पाकिस्तान टूटा। उस टूट से निकला बांग्लादेश। पाकिस्तान में एक वर्ग बांग्लादेश से इस आधार पर नाराज रहता है कि उसने 'टू नेशन थ्योरी' को गलत साबित कर दिया। जो कभी एक थे, उनमें से एक की राह अलग है, शेष दो से। वर्तमान में पाकिस्तान के भारत और बांग्लादेश दोनों से ही संबंध बेहद ही तनावपूर्ण चल रहे हैं। कमोबेश सांकेतिक राजनयिक संबंधों के अलावा भारत और बांग्लदेश ने पाकिस्तान से दूरियां बनाई हुई हैं। बांग्लादेश फूटी नजर से भी नहीं देखता पाकिस्तान को।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796,
प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

ठंड से तड़कने लगे कान या हो जाए दर्द और सूजन, घर पर ये आयुर्वेदिक उपाय दे सकते हैं आराम

कान आपके सबसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। इसकी वजह से आप बाहरी आवाज को सुन पाते हैं। लेकिन इसके हेल्थ की तरफ ज्यादातर ध्यान तभी जाता है, जब इसमें कोई गड़बड़ी हो जाए। कान आपके मस्तिष्क, नाक, मुंह, आंख जैसे दूसरे अहम हिस्सों से आंतरिक रूप से जुड़ा होता है। ऐसे में इसमें दर्द आपको दूसरे दर्द से की ओर ले जा सकता है।

आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ डिंपल जांगडा ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में कान दर्द, सूजन, ब्लॉकेज को ठीक करने के घरेलू उपायों को बताया है। वह कहती हैं कि कान का संक्रमण सर्दियों के दौरान या बैक्टीरिया, वायरस या कवक के आंतरिक, मध्य या बाहरी कान में फंसने के कारण हो सकता है। ऐसे में इससे राहत के लिए ये उपाय फायदेमंद साबित होते हैं।

कान दर्द को ठीक करने के लिए ट्राय करें ये घरेलू नुस्खें

तुलसी से पाएं कान के दर्द से छुटकारा

तुलसी एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट, एंटीमाइक्रोबियल और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गुणों से भरपूर होती है। ऐसे में यह कान के दर्द और इन्फेक्शन से राहत दिलाने में मदद कर सकती है।

ऐसे करें इस्तेमाल

कान के दर्द से राहत के लिए तुलसी के कुछ पत्तों को ओखली और मूसल में पीस लें। अब इसके रस को छानकर एक से दो बूंद कान में डालें।

कान के दर्द में फायदेमंद है लौंग का तेल

लौंग के तेल में एनाल्जेसिक (दर्द निवारक) और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जिसके वजह से एक्सपर्ट कान के दर्द को ठीक करने के लिए इसे यूज करने की सलाह देती हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल

एक चम्मच तिल के तेल में एक लौंग डालकर उबाल लें और ठंडा होने दें। तेल को छान लें और गर्म तेल की 1 से 2 बूंद प्रभावित कान में डालें।

जैतून के तेल से करें कान दर्द का घरेलू उपचार

एक्सपर्ट बताती है कि अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (AAP) हल्के से मध्यम लेवल के कान के दर्द को ठीक करने के लिए घरेलू उपाय के रूप में जैतून के तेल को प्रभावी मानता है।

ऐसे करें इस्तेमाल

एक चम्मच जैतून के तेल को गर्म करें और इसे ठंडा होने दें। तेल की 1 से 2 बूंद प्रभावित कान में डालें।

टी ट्री ऑयल से करें कान दर्द ठीक

टी ट्री ऑयल एंटीफंगल, एंटी बैक्टीरियल, एंटीसेप्टिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो इसे कान के दर्द के लिए प्रभावी बनाते हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल

जैतून का तेल, तिल का तेल या नारियल के तेल के एक चम्मच के साथ टी ट्री ऑयल की एक या दो बूंद मिलाएं। तेल को अच्छी तरह मिलाकर कान में 1 से 2 बूंद डालें। उपयोग करने से पहले तेल के तापमान की जांच जरूर करें।

कान के सूजन को इन मसालों से कम करें

यदि आपको कान के आसपास के क्षेत्र में सूजन का अनुभव हो रहा है, तो लहसुन और अदरक जैसे एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण वाले मसाले फायदेमंद हो सकते हैं। यह न केवल सूजन को कम करते हैं, बल्कि जमाव को दूर करने और कान के दर्द को कम करने में भी मदद करते हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल

लहसुन की 3 कलियां गर्म करके उसमें चुटकी भर नमक मिलाकर कपड़े में रखकर दर्द वाले कान पर सेंकाई करें। इसके अलावा यदि आप अदरक का इस्तेमाल कर रहें तो ताजे अदरक के टुकड़े को ओखल और मूसल में डालकर रस निकालें। तरल को छान लें और प्रभावी कान के पास की त्वचा पर लगाएं।

जलनेति है कान के लिए फायदेमंद

जलनेति एक आयुर्वेदिक थेरेपी है। इसमे नाक की एक छेद से पानी को डालकर दूसरे छेद से निकाला जाता है। ऐसा करने से नाक और कान के बीच के रास्ते मे भरा कफ साफ होता है। जिससे कान बंद होने की समस्या नहीं होती है। इसके अलावा आप नीलगिरी के तेल की कुछ बूंदों के साथ भाप भी लें सकते हैं।

किचन की सफाई करने में निकलती है जान, इनसे काम होगा आसान

हर घर में किचन वह जगह है, जहां एक महिला का ज्यादातर समय बीतता है। लेकिन यह घर की सबसे दूषित जगह भी है। यहां ज्यादातर बैक्टीरिया पनपते हैं, जो आपको कभी दिखाई नहीं देते। रसोई एक पवित्र जगह है, जिसकी नियमित रूप से साफ सफाई की जानी चाहिए। नियमित सफाई न केवल किचन को साफ रखती है, बल्कि आप कई बीमारियों से भी बचे रहते हैं। तो आइए हम आपको बताते हैं किचन की सफाई करने के कुछ बेहतरीन टिप्स।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा सबसे अच्छा किचन क्लीनिंग हैक है। यह चिकनाई और दागों को दूर करने का बेहतरीन नुस्खा है। बेकिंग सोडा का उपयोग आपकी रसोई में सिंक, नालियों, ओवन, ग्रिल, माइक्रोवेव और स्टोव सहित लगभग सभी चीजों को साफ करने के लिए किया जा सकता है।

नींबू और सिरका

सिरका आपकी रसोई में बैक्टीरिया को मारने का सबसे प्रभावी तरीका है। इसकी तीखी गंध को खत्म करने के लिहाज से इसमें नींबू का उपयोग किया जाता है। किचन कैबिनेट्स को साफ करने के लिए नींबू-सिरका का मिश्रण एक स्प्रे बोतल में डालकर किचन कैबिनेट पर स्प्रे करें। कुछ मिनट तक प्रतीक्षा करें और नरम कपड़े से साफ करें।

असेंशियल ऑयल

असेंशियल ऑयल आपके घर के हर कोने को फ्रेश रखता है। आप अपने पसंद की असेंशियल ऑयल की दो बूंदों को रुई के गोले पर डालें और गंध को खत्म करने के लिए डस्टबिन में रख दें। ये असेंशियल ऑयल कीड़ों को दूर भगाने का अच्छा घरेलू नुस्खा है।

डिश वॉशिंग सोप

एक कप गर्म पानी में लिक्विड डिशवॉशिंग सोप की दो से तीन बूंदें मिलाएं। अब मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में डालें। स्टोव सहित सभी सतहों पर स्प्रे करें और कुछ मिनटों के बाद पोंछ लें। इसे आप क्विक क्लीनिंग के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

खाना बनाने से पहले और बाद में किचन को साफ करने के लिए यह तरीका अपना सकते हैं। ये हैक्स किचन को स्वच्छ और आपको स्वस्थ रखेंगे।

शरीर में खून बढ़ाने के साथ हड्डियों के लिए फायदेमंद है किशमिश

ड्राई फ्रूट्स के सेवन से कितना फायदा होता है, ये तो आप जरूर जानते होंगे। आज आपको किशमिश के फायदों के बारे में बताएंगे। हर कोई इसके स्वाद से वाकिफ है, लेकिन किशमिश के गुण सिर्फ इसके स्वाद तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शरीर से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने में सहायक है।

सेहत के लिए किशमिश किसी वरदान से कम नहीं है। इसे खाने से कमजोरी, सुस्ती जैसी समस्याओं से राहत मिल सकती है। यह पोषक तत्वों का भंडार है। आइए जानते हैं, किशमिश सेहत के लिए कैसे फायदेमंद है।

1.खून की कमी दूर करने में सहायक

किशमिश में आयरन पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। इसमें विटामिन-बी और कई पोषक तत्व पाए जाते है, जो लाल रक्त कोशिकाओं का निर्माण करते हैं। अगर आप एनिमिया से पीड़ित हैं, तो रोजाना किशमिश का सेवन कर सकते हैं।

2.पाचन को स्वस्थ रखने में मददगार

किशमिश में मौजूद फाइबर पाचन के लिए लाभकारी है। इसके लिए रात में किशमिश को भिगो दें और सुबह में इसे खाएं। अगर आपको कब्ज की समस्या है, तो भिगे हुए किशमिश का नियमित रूप से सेवन कर सकते हैं।

3.आंखों के लिए फायदेमंद

किशमिश में पर्याप्त मात्रा में बीटा-कैरोटीन, विटामिन-ए और कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो आंखों के लिए फायदेमंद होते हैं। इसके नियमित सेवन से मोतियाबिंद का खतरा भी कम हो सकता है।

4.हड्डियों के लिए लाभदायक

किशमिश में कैल्शियम पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। जो हड्डियों को स्वस्थ रखने में सहायता करता है। हड्डियों को मजबूत रखना चाहते हैं, तो नियमित रूप से किशमिश का सेवन कर सकते हैं।

5.हाई ब्लड प्रेशर को करता है कंट्रोल

किशमिश में पोटैशियम और एंटी ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो ब्लड सर्कुलेशन को सुधार कर हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मददगार है।

सावधानी: लेख में दिए गए सुझाव और टिप्स सिर्फ सामान्य जानकारी के लिए हैं और इसे पेशेवर चिकित्सा सलाह के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए। किसी भी तरह के सवाल या परेशानी हो तो फौरन अपने डॉक्टर से सलाह करें।

रामनवमी पर अयोध्या घूमने का मौका दे रहा IRCTC

देशभर में आज से नवरात्रि की शुरुआत हो चुकी है। नौ दिनों तक चलने वाला यह पर्व राम नवमी के साथ खत्म होगा। इस खास मौके पर आईआरसीटीसी लोगों को राम जन्मभूमि अयोध्या के दर्शन करने का मौका दे रहा है।

हाल ही में आईआरसीटीसी (IRCTC) अयोध्या के लिए एक खास टूर पैकेज का एलान किया है। इस पैकेज के जरिए आप राम नवमी पर अयोध्या में रामलला के दर्शन कर पाएंगे। तो चलिए जानते हैं इस पैकेज से जुड़ी सभी जरूरी जानकारी-

इस दिन से शुरू होगी यात्रा

इस साल 30 मार्च को राम नवमी का त्योहार मनाया जाएगा। ऐसे में लोगों को भगवान राम के दर्शन कराने वाले इस टूर पैकेज की शुरुआत 29 मार्च से हो रही है। अगर आप इस पैकेज के तहत अयोध्या के दर्शन करना चाहते हैं, तो 29 मार्च की बुकिंग करा सकते हैं। खास बात यह है कि इस पैकेज के तहत आपको अयोध्या के साथ ही वाराणसी और प्रयागराज घूमने का भी मौका मिलेगा।

ऐसा होगा यात्रा का शेड्यूल

पांच रातों और छह दिन वाले इस टूर पैकेज के तहत आपको अयोध्या, वाराणसी और प्रयागराज घुमाया जाएगा। इस यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आपको मध्य प्रदेश के इंदौर शहर पहुंचना होगा। यहां से आपको इंदौर स्टेशन से महाकाल एक्सप्रेस पकड़नी होगी और फिर होगी आपकी इस यात्रा की शुरुआत। इसके बाद आप वाराणसी में सारनाथ और काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन करेंगे और फिर प्रयागराज में संगम और हनुमान गढ़ी के दर्शन कर पाएंगे। इसके बाद राम जन्मभूमि अयोध्या के दर्शन के बाद आपको वापस इंदौर छोड़ दिया जाएगा।

कितना होगा किराया

अयोध्या के लिए जारी किए गए इस पैकेज के किराए की बात करें, तो यात्रियों के इस यात्रा के लिए 13,650 रुपये से लेकर 18,400 रुपये तक का किराया देना होगा। यात्रा का किराया आपकी ऑक्यूपेंसी के आधार पर तय किया जाएगा। साथ ही किराए की इस राशि के तहत आपको ट्रेन के किराया, डीलक्स होटल में स्टे, पर्यटन स्थलों का भ्रमण, नाश्ता और रात का खाना जैसा सुविधाएं दी जाएंगी। इस टूर पैकेज से जुड़ी विस्तृत जानकारी और बुकिंग के लिए आप आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट या आईआरसीटीसी के ऑफिस भी जा सकते हैं।

बाजार में मौजूद हैं नौ तरह की हेयर ब्रश, कौनसी रहेगी बेहतर

अगर आपको लगता है कि कंघी भले ही कोई भी हो वह सिर्फ बालों को संवारने के ही काम आती है, तो ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। अगर बालों की बनावट के अनुसार कंघी का इस्तेमाल किया जाए तो उससे बालों को संवारने के साथ-साथ कई तरह के लाभ मिल सकते हैं। अगर आप अपने बालों के लिए कंघी के चयन को लेकर उलझन में हैं तो आइए हम आपको नौ तरह की कंघी और उनकी विशेषताएं बताते हैं।

पैडल हेयर ब्रश और राउंड हेयर ब्रश

पैडल हेयर ब्रश: लंबे और सीधे बालों के लिए इस कंघी का चयन करना अच्छा रहेगा। यह बालों को जल्दी सुलझाती है। घुंघराले और वेवी बाल वाले भी इस कंघी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

हालांकि, अगर आपके घने बाल हैं तो नायलॉन या सिंथेटिक ब्रिसल्स वाला ही पैडल हेयर ब्रश चुनें। राउंड हेयर ब्रश: वेवी बालों के लिए यह कंघी एकदम सही है, जो बालों में वॉल्यूम और बाउंस जोड़ता है। यह बाजार में विभिन्न आकारों में उपलब्ध है।

टीजिंग हेयर ब्रश और चौड़े दांतों वाली कंघी

टीजिंग हेयर ब्रश: यह हर तरह के बालों के लिए बेहतरीन है। इससे बालों का वॉल्यूम बढ़ा हुआ दिखता है और इसके पॉइंट-एंडेड हैंडल की मदद से बालों को अलग करने में मदद मिलती है। हालांकि, अगर आपके बाल कमजोर हैं तो इस कंघी के इस्तेमाल से बचें। चौड़े दांतों वाली कंघी: यह कंघी सभी प्रकार के बालों के लिए बेहतर है। खासकर, गीले बालों को टूटने से बचाने के लिए यह कंघी सबसे अच्छी होती है।

डिटैंगलर हेयर ब्रश और रेट-टेल हेयर ब्रश

डिटैंगलर हेयर ब्रश: यह कंघी भी सभी प्रकार के बालों के लिए बेहतरीन है। यह बालों की गांठों को आसानी से सुलझाने और उन्हें टूटने से बचाने में सहायक है। रेट-टेल हेयर ब्रश: यह कंघी बालों को अलग-अलग हिस्सों में बांटने के लिए आदर्श है। इससे बालों की स्टाइलिंग के दौरान उन्हें अलग करना काफी आसान हो जाता है। किसी भी तरह के बालों की स्टाइलिंग के लिए इस कंघी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

वेंटेड हेयर ब्रश और बोअर ब्रिसल ब्रश

वेंटेड हेयर ब्रश: अगर आपके पास बालों को ठीक से कंघी करने का समय नहीं है तो वेंटेड हेयर ब्रश आपके गीले बालों को तोड़े बिना उन्हें सुलझाता है और इन्हे सुखाने में भी सहायक है। इसका इस्तेमाल भी हर तरह के बालों पर किया जा सकता है। बोअर ब्रिसल ब्रश: यह कंघी घुंघराले और पतले बाल वाले लोगों के लिए सही है। यह बालों की लंबाई में प्राकृतिक तेलों को वितरित करके उन्हें आसानी से संवारता है।

लूप हेयर ब्रश

इस कंघी में लूप ब्रिसल्स होते हैं, जो बालों के एक्सटेंशन को बिना खींचे संवारते हैं। आपके बाल भले ही किसी भी प्रकार के हो, अगर आपने हेयर एक्सटेंशन करवा रखा है तो लूप हेयर ब्रश का इस्तेमाल करें।

शहद के इस्तेमाल से बनाए जा सकते हैं ये स्वादिष्ट व्यंजन

शहद कई औषधीय गुणों से भरपूर होता है और इसका नियमित सेवन करना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। अगर आप किसी भी व्यंजन में इसका सीमित मात्रा में इस्तेमाल करते हैं तो इससे उसका स्वाद काफी बढ़ जाता है। आइए हम आपको शहद के इस्तेमाल से बनाए जाने वाले पांच व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप घर पर सिर्फ 20 से 30 मिनट में तैयार कर सकते हैं।

हनी फ्रेंच टोस्ट

इसे बनाने के लिए आपको दो फेंटे हुए अंडे, एक चौथाई कप दूध, एक चौथाई कप शहद, एक चौथाई छोटी चम्मच नमक, छह-आठ ब्रेड के स्लाइस और थोड़े मक्खन की आवश्यकता होगी। सबसे पहले अंडे, दूध, शहद और नमक को डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसके बाद एक सॉस पैन में मक्खन पिघलाएं और ब्रेड स्लाइस को अंडे के मिश्रण में डुबोएं और फिर इसे दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेंके और गरमागरम परोसें।

हनी चिली पोटैटो

हनी चिली पोटैटो के लिए पहले आवश्यकतानुसार आलू को धोकर छीलें, फिर इन्हें फ्रेंच फ्राइज के आकार में काटकर अरारोट से मैरीनेट करें। इसके बाद फ्रेंच फ्राइज को डीप फ्राई करके प्लेट में निकालें। अब गर्म कुकिंग ऑयल में कटी हुई शिमला मिर्च, हरी मिर्च, अदरक, टोमैटो सॉस, चिली सॉस, सोया सॉस, कुटी लाल मिर्च, थोड़ा नमक और सिरका डालकर कुछ मिनट पकाएं और फिर गैस बंद करके इसमें शहद मिलाएं। अंत में इसमें तले फ्रेंच फ्राइज मिलाकर इसे परोसें।

बेक्ड हनी चीज केक

सबसे पहले अपने ओवन को 180 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट करें और एक केक पैन को मक्खन से चिकना करके उसमें एक बेकिंग पेपर डालें। अब एक कटोरे में कटे हुए खजूर, ओट्स, सूरजमुखी के बीज, दालचीनी और नारियल समेत पिघला मक्खन मिलाएं। इसके बाद मिश्रण को केक पैन में डालें और बेक करें, फिर बेक केक पर क्रीम चीज, अंडे, नींबू के रस, वनिला एसेंस और शहद को फेटकर डालें और दोबारा इसे बेक करने के बाद परोसें।

स्पाइस हनी कैमोमाइल कूलर

सबसे पहले थोड़ा पानी उबाकर उसमें कैमोमाइल टी बैग्स, दालचीनी और लौंग डालकर पांच मिनट के लिए उबालें। इसके बाद पानी में से दालचीनी और लौंग को निकालकर इसमें नींबू का रस और शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण को एक घंटे के लिए फ्रिज में रख दें और फिर प्रत्येक गिलास में एक बड़ा चम्मच संतरे का रस और कुछ बर्फ के टुकड़ों समेत तैयार ड्रिंक डालकर इसे परोसें।

बनाना हनी मफिन

सबसे पहले अपने ओवन को 190 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट करें। इसके बाद एक पैन में मक्खन पिघलाकर उसमें शहद और दूध डालें, फिर इसमें मैश किए हुए केले डालें। अब इसमें मैदा, बेकिंग पाउडर, थोड़ा नमक मिलाकर गैस बंद करें और मिश्रण को मफिन कप में डालकर 20 से 25 मिनट तक अच्छे से बेक करें। अंत में थोड़ा ठंडा करके मफिन को परोसें।

Thursday
07 December 2023

BNM Fantasy

सना मकबूल खान फिल्मी दुनिया में धमाल

टीवी और फिल्म जगत की जानी-मानी एक्ट्रेस सना मकूबल खान का इन दिनों एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है. इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर बवाल मचा दिया है. दरअसल, एक्ट्रेस उप्स मूमेंट का शिकार हुई है जिस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे देख कर सोशल मीडिया यूजर्स मजाक बना रहे हैं. इस वीडियो को देख कर कई लोग सना पर हंस रहे हैं, तो कुछ लोगों ने एक्ट्रेस का साथ दिया है. आप को बता दें कि टीवी एक्ट्रेस सना मकबूल खान फिल्मी दुनिया में कदम रख चुकी हैं. इन दिनों सना फिल्मी दुनिया में अपने पैर जमाने में लगी हुई हैं. एक्ट्रेस लगातार साउथ की फिल्में साइन कर रही हैं,

असीम रिजाय से हुआ हिमांशी खुराना का ब्रेकअप

सुपरस्टार सलमान खान के शो बिग बॉस के घर से कई सेलेब्स की जोड़ी बनती है और शो के बाद भी उनका रिश्ता कायम रहता है। लेकिन ये भी कई बार देखा गया है कि काफी समय एक दूसरे को डेट करने के बाद उस रिश्ते में दरार भी आती है। कुछ ऐसा ही हाल अब बिग बॉस 13 फेम हिमांशी खुराना और असीम रियाज हुआ है। जी हां हिमांशी खुराना और असीम रियाज का ब्रेकअप हो गया है। बिग बॉस 13 रनर अप असीम रियाज से अलग होने की सूचना हिमांशी खुराना ने अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट पर दी है। हिमांशी ने ट्विटर पर एक नोट शेयर किया है, इस नोट में हिमांशी ने इस बात की जानकारी दी है- इस नोट में हिमांशी ने इस बात की जानकारी दी है- नोट में हिमांशी ने इस बात की जानकारी दी है- "हां हम अब साथ नहीं हैं, हमने जो भी वक्त साथ में बिताया वह बहुत अच्छा रहा है। लेकिन अब हमारा साथ खत्म हो गया है। हमारे रिश्ते का जितना भी सफर था वो बहुत अच्छा रहा और अब हम अपने-अपने जीवन में आग बढ़ रहे हैं। अपने-अपने धर्मों का सम्मान करते हुए कई धार्मिक मान्यताओं के मद्देनजर रखते हुए हम अपने प्यार का त्याग कर रहे हैं। हमारे मन में अब एक दूसरे के लिए कुछ भी नहीं है। हम आपसे हमारी प्राइवेसी का सम्मान करने की इच्छा व्यक्त करते हैं।"हिमांशी खुराना और असीम रियाज की जोड़ी साल 2019 में बिग बॉस सीजन 13 से बनी थी। इस शो से बाहर आने के बाद इन दोनों का इश्क परवान चढ़ा।

लेटेस्ट तस्वीरों में जाह्नवी का दिखा फूडी अंदाज

किलर लुक से जीता फैंस का दिल

बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस के बारे में जिक्र किया जाए तो उसमें जाह्नवी कपूर का नाम जरूर शामिल होगा। अपने दिलकश अंदाज से आए दिन जाह्नवी लाइमलाइट में छाई रहती हैं। इतना ही नहीं फैंस भी एक्ट्रेस की लेटेस्ट तस्वीरों और वीडियो का बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर जाह्नवी कपूर की लेटेस्ट तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें जाह्नवी अपने किलर लुक्स से कहर बरपाती हुईं दिखाई दे रही हैं। दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी की बेटी होने के नाते जाह्नवी कपूर को काफी जाना जाता है। अपनी मां की तरह एक्टिंग के मामले में जाह्नवी ने अपनी फिल्मों में गहरी छाप छोड़ी है। यही कारण है जो बहुत कम समय में वह इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेसेज में शुमार हो गई हैं। सोशल मीडिया पर भी जाह्नवी कपूर काफी एक्टिव रहती हैं, जिसकी वजह से आए दिन उनकी लेटेस्ट तस्वीरें जमकर सुर्खियां बटोरती हैं। इस बीच जाह्नवी कपूर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर लेटेस्ट तस्वीरों को शेयर किया है। इन फोटो में आप देख सकते हैं कि जाह्नवी कपूर ब्लैक कलर का स्टाइलिश गाउन पहने हुए नजर आ रही हैं। अपनी बेबाक खूबसूरती के दम पर एक्ट्रेस हर किसी का ध्यान खींच रही हैं। इतना नहीं इन फोटो में जाह्नवी बेहद फूडी होती दिखाई दे रही हैं। जिसका अंदाजा आप एक्ट्रेस के हाथ में खाना और कोका कोला के जरिए लगा सकते हैं। इस साल ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई फिल्म बवाल के बाद सिल्वर स्क्रीन पर जाह्नवी कपूर की वापसी का फैंस बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। गौर करें जाह्नवी की आने वाली फिल्मों की तरफ तो उसका नाम देवरा है। साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और सैफ अली खान के साथ इस मूवी में जाह्नवी लीड रोल में नजर आएंगी।